



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 26 मई, 2026

विषय: (i) मध्य एवं उत्तर-पश्चिम भारत में अगले 3-4 दिनों तक और पूर्वी एवं उससे सटे प्रायद्वीपीय भारत में अगले 2-3 दिनों तक लू से भीषण लू की स्थिति बनी रहने की संभावना है।

(ii) 29 मई से अधिकतम तापमान में कमी और लू की स्थिति में सुधार होने की संभावना है।

(iii) अगले 2-3 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर और उससे सटे पूर्वी भारत में तथा आज, 26 मई, 2026 को केरल और तमिलनाडु में छिटपुट भारी से बहुत भारी वर्षा की संभावना है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून 2026 की प्रगति (परिशिष्ट I):

- ❖ 26 मई, 2026 को मानसून की उत्तरी सीमा 7°N/60°E, 7°N/70°E, 7°N/75°E, 8°N/80°E, 10°N/85°E, 13.5°N/90°E और 17°N/95°E से होकर गुजर रही है।
- ❖ अगले 2-3 दिनों के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून के दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व अरब सागर, दक्षिण-पश्चिम, दक्षिण-पूर्व और पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी तथा अंडमान सागर के शेष भागों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हैं।

आज, 26 मई, 2026 को सुबह 8:30 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:

- ❖ असम, मेघालय और बिहार में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (11-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ त्रिपुरा, आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु और लक्षद्वीप में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ ओडिशा, झारखंड, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कुछ स्थानों पर 80-120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ गरज-चमक हुई; बिहार, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, उत्तर प्रदेश, तटीय आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में 60-80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं; गुजरात, असम, मेघालय, मध्य महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, विदर्भ, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, तेलंगाना और मराठवाड़ा में 40-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं।
- ❖ जम्मू-कश्मीर, पश्चिमी मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र और तेलंगाना में छिटपुट स्थानों पर ओलावृष्टि हुई।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश में छिटपुट स्थानों पर धूल भरी आंधी चलने की सूचना मिली।
- ❖ विदर्भ और छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में, पूर्वी उत्तर प्रदेश और पूर्वी मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में लू से लेकर भीषण लू तक की स्थिति बनी रही। उत्तराखंड, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश, बिहार, ओडिशा, तेलंगाना और तटीय आंध्र प्रदेश के कुछ इलाकों में भी लू चली।
- ❖ उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान, मध्य प्रदेश और विदर्भ के कुछ इलाकों में रातें गर्म रहीं।

आज सुबह 8:30 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान तापमान की स्थिति:

- ❖ दिन/अधिकतम तापमान (25-05-2026 तक): कल, उत्तर-पश्चिम भारत, मध्य भारत, उत्तर प्रदेश से सटे क्षेत्रों, पूर्वी और उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत के कुछ हिस्सों में अधिकतम तापमान 43-47°C के बीच रहा, जबकि उत्तर-पूर्वी भारत, पश्चिमी

- हिमालय क्षेत्र और पश्चिमी दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर देश के शेष हिस्सों में यह 40-43°C के बीच रहा। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 47.6°C बांदा (उत्तर प्रदेश) और ब्रह्मपुरी (महाराष्ट्र) में दर्ज किया गया।
- ❖ दिन/अधिकतम तापमान में अंतर (25-05-2026 तक): कल, उत्तराखंड, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और तटीय आंध्र प्रदेश एवं यनम में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा। हिमाचल प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, मध्य प्रदेश, सौराष्ट्र और कच्छ, विदर्भ, छत्तीसगढ़, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और तेलंगाना में तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा, जबकि देश के बाकी हिस्सों में यह सामान्य से कम या लगभग सामान्य था।
 - ❖ रात्रि का तापमान/न्यूनतम तापमान (26-05-2026 तक) उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, विदर्भ, ओडिशा, दक्षिणी मध्य महाराष्ट्र, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा, जबकि देश के बाकी हिस्सों में यह सामान्य से कम या लगभग सामान्य था।

❖ मौसम प्रणाली, पूर्वानुमान और चेतावनी (परिशिष्ट II और III):

- ❖ दक्षिण बिहार और आसपास के क्षेत्र में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ❖ दक्षिण बिहार से उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश तक निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक उत्तर-दक्षिणी गर्त फैला हुआ है।
- ❖ मध्य असम और आसपास के क्षेत्र में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ❖ पंजाब से उत्तरपूर्वी अरब सागर तक निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक गर्त फैला हुआ है।
- ❖ दक्षिणपूर्वी अरब सागर और आसपास के क्षेत्र में निचले से ऊपरी क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ❖ पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी और आसपास के क्षेत्र में निचले से ऊपरी क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ❖ 28 मई, 2026 से उत्तर-पश्चिम भारत में एक नए पश्चिमी विकोभ के आने की संभावना है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

❖ पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 26 और 27 मई को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटे की गति तक) के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 26, 27 मई और 1 जून को, असम और मेघालय में 26-28 मई और 31 मई, 1 जून को, और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 26, 27, 31 मई और 1 जून को भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 26 मई को असम और मेघालय में कुछ स्थानों पर बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।

❖ दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 26 से 28 मई के दौरान केरल, माहे और लक्षद्वीप में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 26 से 30 मई के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, आंतरिक कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना और रायलसीमा में छिटपुट से लेकर मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 26 से 28 मई के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में, 26 मई को तेलंगाना में, और 26 और 27 मई को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 26 मई को तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, केरल और माहे, लक्षद्वीप में छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है; 27 मई को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और 26 और 27 मई को दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में भी यही स्थिति रहेगी।

❖ 27 मई को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में 28 से 30 मई के दौरान और हिमाचल प्रदेश में 28 और 29 मई को छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर पर हल्की से मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज़ हवाएँ (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।
- ❖ पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 28 से 31 मई के दौरान और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 26 और 28 से 31 मई के दौरान छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर पर हल्की से मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज़ हवाएँ (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।
- ❖ पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 28 और 29 मई को और पूर्वी उत्तर प्रदेश में 29 मई को गरज के साथ आंधी (हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटा और 80 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 28 और 29 मई को जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और राजस्थान में तथा 28 और 30 मई को पूर्वी उत्तर प्रदेश में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 28 और 29 मई को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश तथा 29 मई को पूर्वी उत्तर प्रदेश में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।
- ❖ 28 और 29 मई को उत्तर प्रदेश और राजस्थान में कुछ स्थानों पर धूल भरी आंधी आने की प्रबल संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ 28 से 30 मई के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में तथा 26 मई और 28 से 30 मई के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में गरज, बिजली और 40-50 किमी प्रति घंटा की गति वाली हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। विदर्भ में 26 मई और 28-30 मई के दौरान तथा छत्तीसगढ़ में 26-30 मई के दौरान बारिश की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ कोंकण, गोवा और मध्य महाराष्ट्र में 26-29 मई के दौरान, मराठवाड़ा में 26-28 मई के दौरान, गुजरात क्षेत्र में 30 मई से 1 जून के दौरान और सौराष्ट्र और कच्छ में 1 जून को गरज, बिजली और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

अधिकतम दैनिक तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत में 27 मई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है; 28 और 29 मई को तापमान में 6-8 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक गिरावट और 30 मई से 1 जून के दौरान 2-4 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होगी।
- ❖ मध्य भारत में 28 मई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और 29 मई से 1 जून के दौरान तापमान में 3-5 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक गिरावट होगी।
- ❖ पूर्वी भारत में 27 मई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और 28 मई से 1 जून के दौरान तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक गिरावट होगी।
- ❖ उत्तर-पूर्वी भारत में 26 मई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और 27 और 28 मई को तापमान में 4-6 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होगी और 29 मई से 1 जून के दौरान कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- ❖ गुजरात और तेलंगाना में 28 मई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और 29 मई से 1 जून के दौरान इसमें 2-3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक गिरावट आएगी।
- ❖ देश के बाकी हिस्सों में 1 जून 2026 तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।
- ❖ **हीट वेव, गर्म और उमस भरा मौसम और गर्म रातों की चेतावनी:**

- ❖ 26 से 28 मई के दौरान पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में लू चलने की प्रबल संभावना है, जिसमें 27 मई को पंजाब के कुछ इलाकों में, 26 और 27 मई को हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में भीषण लू चलने की संभावना है।
- ❖ 26 से 28 मई के दौरान पश्चिमी राजस्थान के कई इलाकों में लू से भीषण लू चलने की प्रबल संभावना है।
- ❖ मध्य प्रदेश में 26 से 29 मई के दौरान कुछ इलाकों में लू चलने की प्रबल संभावना है, खासकर पश्चिमी मध्य प्रदेश में 26 और 27 मई को तथा पूर्वी मध्य प्रदेश में 26 से 28 मई के दौरान भीषण लू चलने की आशंका है।
- ❖ विदर्भ में 26 से 29 मई के दौरान कुछ इलाकों में लू चलने की प्रबल संभावना है, खासकर कई इलाकों में 26 से 28 मई के दौरान भीषण लू चलने की आशंका है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और झारखंड में 26 और 27 मई को तथा हिमाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और तेलंगाना में 26 से 28 मई के दौरान लू चलने की प्रबल संभावना है।
- ❖ गंगा के मैदानी पश्चिमी बंगाल और कोंकण में 26 और 27 मई को; सौराष्ट्र और कच्छ के तटीय क्षेत्रों में 26 से 28 मई के दौरान; और तमिलनाडु में 26 से 29 मई के दौरान गर्म और उमस भरा मौसम रहने की आशंका है। 26 से 30 मई के दौरान ओडिशा में; 29 और 30 मई को तटीय आंध्र प्रदेश में।
- ❖ 26 और 27 मई को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, विदर्भ और तेलंगाना के कुछ इलाकों में और 26 मई को ओडिशा में रात में गर्म मौसम रहने की प्रबल संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाने की सलाह दी जाती है:

बंगाल की खाड़ी: 26 मई से 31 मई के दौरान मन्नार की खाड़ी, श्रीलंका के तटों और दक्षिण एवं मध्य बंगाल की खाड़ी के कई हिस्सों में। 28 से 30 मई के दौरान पश्चिम बंगाल और उत्तरी ओडिशा के तटों के आसपास और उससे दूर; 28 से 31 मई 2026 के दौरान अंडमान सागर के कई हिस्सों में।

अरब सागर: 26 मई को केरल और लक्षद्वीप के तटों के आसपास और उससे दूर; 26 से 31 मई के दौरान कोमोरिन क्षेत्र; 29 से 31 मई के दौरान उत्तरी गुजरात के तटों और उससे दूर तथा उत्तर-पूर्वी अरब सागर के आसपास; 26 से 31 मई के दौरान सोमालिया के तटों और उससे दूर तथा दक्षिण-पश्चिमी अरब सागर के कुछ हिस्सों के आसपास।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 26 से 29 मई 2026 (अनुलग्नक IV देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ **असम और मेघालय:** विलियमनगर (जिला पूर्वी गारो हिल्स) 16, सलाकाती_एईजीसीएल एडब्ल्यूएस (जिला कोकराझार) 14, करीमगंज_एडब्ल्यूएस (जिला श्रीभूमि) 10, भागमारा (जिला दक्षिण गारो हिल्स) 9, चेरापूंजी (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 7, बी पी घाट (जिला श्रीभूमि) 7, मावकिरवाट (जिला दक्षिण पश्चिम) खासी हिल्स) 7, चेरापूंजी (आरकेएम) (जिला पूर्वी खासी हिल्स) 7, ए पी घाट (जिला कछार) 7;
- ❖ **बिहार:** प्राणपुर (जिला कटिहार) 13, समेली (जिला कटिहार) 9, धमदाहा (जिला पूर्णिया) 6;
- ❖ **त्रिपुरा:** भट्टाचार्जी पारा (जिला धलाई) 11, खोवाई (जिला खोवाई) 10, डीएम ऑफिस अर्ग (जिला पश्चिम त्रिपुरा) 9, कमालपुर (जिला धलाई) 9, अमरपुर (जिला गोमती) 8, सबरूम (जिला दक्षिण त्रिपुरा) 8, सबरूम एडब्ल्यूएस (जिला दक्षिण त्रिपुरा) 8, अगरतला एयरो (जिला पश्चिम त्रिपुरा) 8, लेम्बुचेरा (जिला पश्चिम त्रिपुरा) 8, एडी नगर_एडब्ल्यूएस (जिला पश्चिम त्रिपुरा) 8, अरुंधतिनगर (जिला पश्चिम त्रिपुरा) 8, मेट अगरतला एडब्ल्यूएस (जिला

पश्चिम त्रिपुरा) 8, एचआरसी नागिचेरा अर्ग (जिला पश्चिम त्रिपुरा) 8, आशापारा एडब्ल्यूएस (जिला उत्तरी त्रिपुरा) 7, धर्मनगर/पानीसागर (जिला उत्तरी त्रिपुरा) 7, कैलाशहर एयरो (जिला उनाकोटी) 7, बागफा (जिला दक्षिण त्रिपुरा) 7, कैलाशहर एडब्ल्यूएस (जिला उनाकोटी) 7, सोनामुरा (जिला सिपाहीजाला) 7, बेलोनिया (जिला दक्षिण त्रिपुरा) 7, कदमतला अर्ग (जिला उत्तरी त्रिपुरा) 7;

- ❖ दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: मांड्या 9;
- ❖ तमिलनाडु: वेल्लोर 8;
- ❖ लक्षद्वीप: मिनिकॉय (लक्षद्वीप) 8;
- ❖ उत्तर आंतरिक कर्नाटक: सेदम (जिला कलबुर्गी) 7

❖ **तेज़ हवाएँ (किमी प्रति घंटे में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):**

- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा: महारानी 115, राजनगर 100, मेट अगरतला 65, पानीसागर 65, हेज़ामारा 56, खोवाई 44, धलाई 43, सिपाहीजला 39;
- ❖ झारखंड: पूर्वी सिंहभूम 102;
- ❖ ओडिशा: राउरकेला 98;
- ❖ तमिलनाडु: नाथम_इसरो (डिंडीगुल) 76;
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: शाहजहाँपुर 76, मैनपुर 50, बरेली 48, बुलन्दशहर 44, जी.बी. नगर 41, आगरा 35, हिंडन 31;
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश और यनम: माइलवाराम_कॉलेज_ऑफ_इंजीनियर 67;
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: गोरखपुर 65, सीतापुर 65, बहराईच 63, चित्रकूट 52, लखनऊ 46, फुरसतगंज और वाराणसी 44, प्रयागराज 43, कानपुर 35;
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: उत्तरी दिनाजपुर 65; मझियान 63; पुंडीबारी 46; बालुरघाट 44;
- ❖ बिहार: पूर्वी चंपारण 61;
- ❖ मराठावाड़ा: अम्बेजोगई (बीड) 59, हिंगोली 43;
- ❖ तेलंगाना: घाटकेसर (रंगारेड्डी) 56, कावेरी सिद्दीपेट (सिद्दीपेट) 46, सिरिसिला (राजन्ना सिरिसिला) 46, केवीके_रामगिरि_खिला (पेद्दापल्ली) 42, इब्राहिमपटनम (रंगारेड्डी) 42, सीजीडब्ल्यूबी नागोले (मेडचल_मल्काजगिरी) 39, करीमनगर (करीमनगर) 37, रार्स_पोलासा_जगतियाल (जगतियाल) 35, दुल्लापल्ली (रंगारेड्डी) 35, हैदराबाद (हैदराबाद) 33, केवीके_प्रकाशम_जम्मीकुंटा (करीमनगर) 33, केवीके_बेलमपल्ली (मनचेरियल) 35, केवीके_टुनिकी (मेडक) 31, केवीके_पालेम (नगरकुर्नूल) 30, ARS_पेद्दापल्ली(पेद्दापल्ली) 33, कांडी (संगारेड्डी) 30;
- ❖ गांगेय पश्चिम बंगाल: झाड़ग्राम 54; कल्याणी 48; हूगली 46; गंगासागर 43; अलीपुर 42; अगरपारा, नंदकुमार, उलुबेरिया 41;
- ❖ जम्मू-कश्मीर: रामबन 54;
- ❖ उत्तराखंड: चमोली में 54, मुक्तेश्वर में 43, मालदेवता में 39, पंतनगर में 37, कपकोट में 37; कोसियाकोटली 37, रानीचौरी 35, चंपावत 35;
- ❖ विदर्भ: वर्धा 54;
- ❖ छत्तीसगढ़: बेमेतरा 54;
- ❖ सौराष्ट्र और कच्छ: खावड़ा 54;
- ❖ पश्चिम मध्य प्रदेश: सीहोर 50;
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: शहडोल 50;
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: शहादा (नंदुरबार) 50, जलगांव 44, कलवान (नासिक) 43;
- ❖ असम और मेघालय: मानस 50, काहिकुची 48, गुवाहाटी 46, एससीएस_कॉलेज_ऑफ_एग्रीकल्चर_धुबरी 41, जेडआरएस_डिफू 41, वीसीबीसी_रानी 39, डाउन_टाउन_यूनिवर्सिटी 37, गौहाटी_यूनिवर्सिटी 37, करीमगंज 35, जेडआरएस_अकबरपुर 35, कुकुरमारा_मिर्जा 35, गौरीपुर 33, नलबाड़ी 31, मावकिरवाट 56;
- ❖ गुजरात क्षेत्र: अर्नेज 43

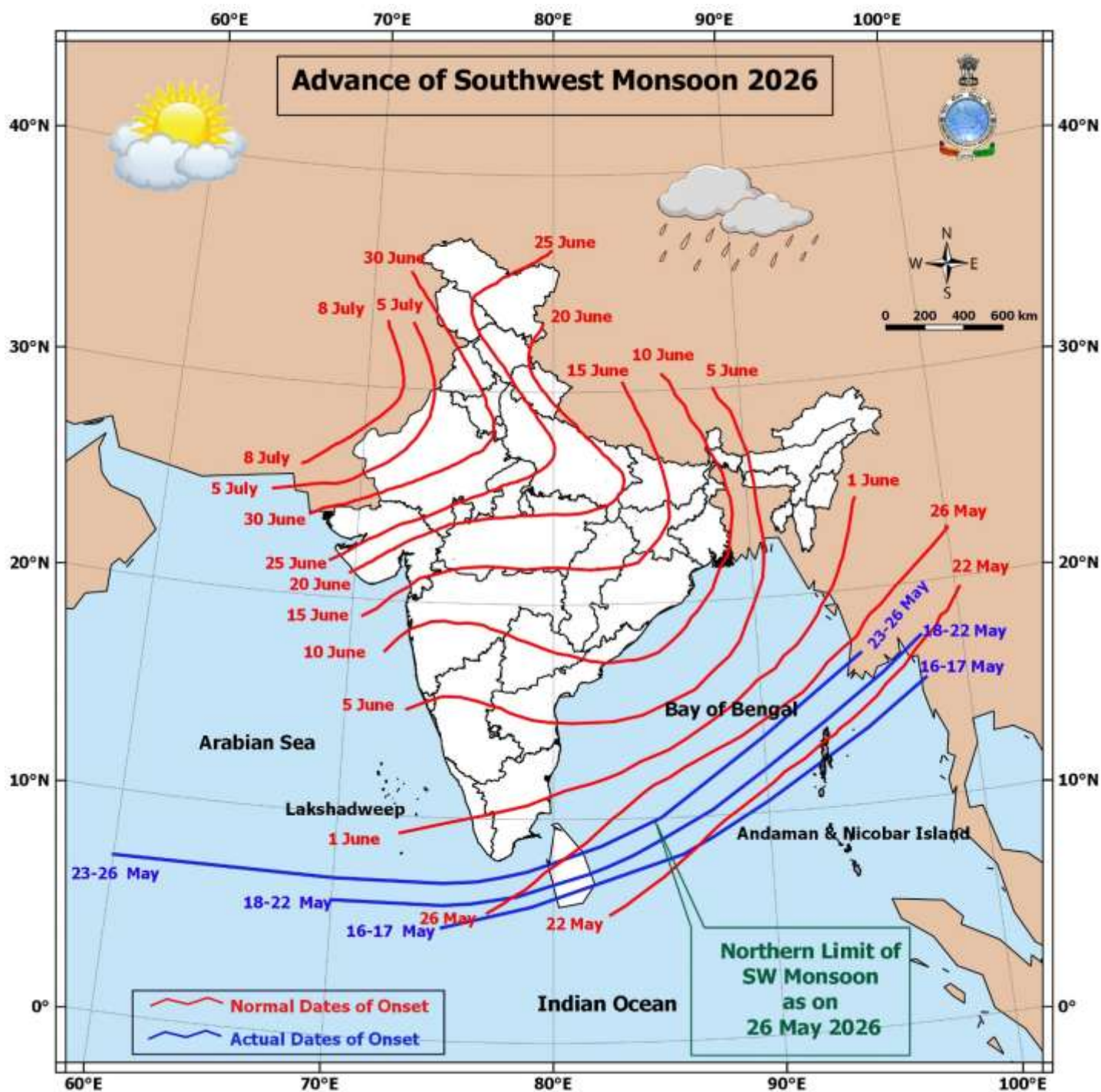
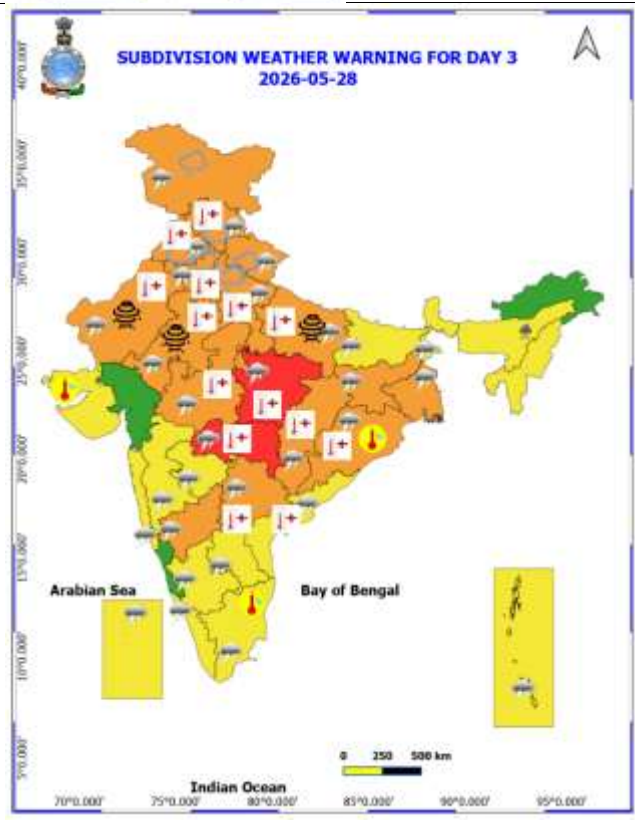
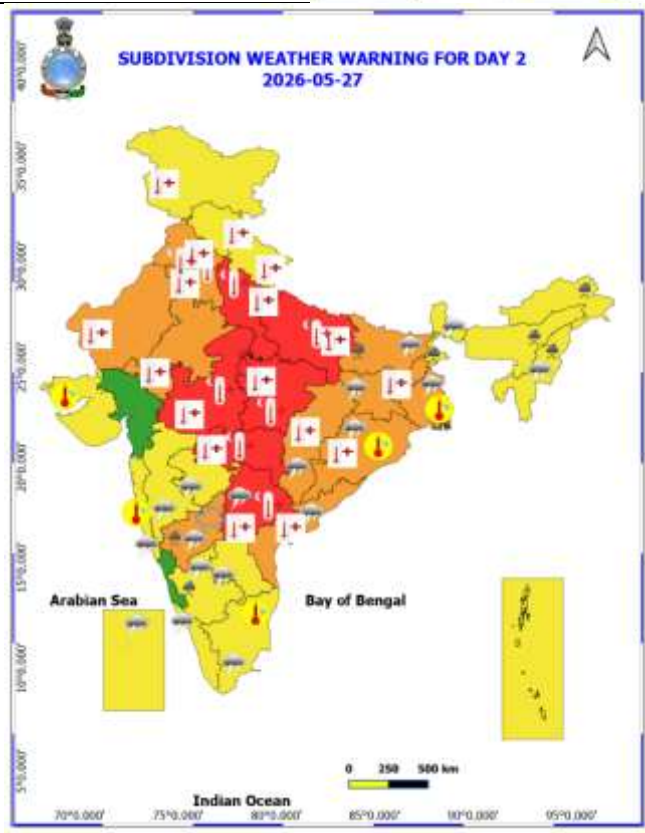
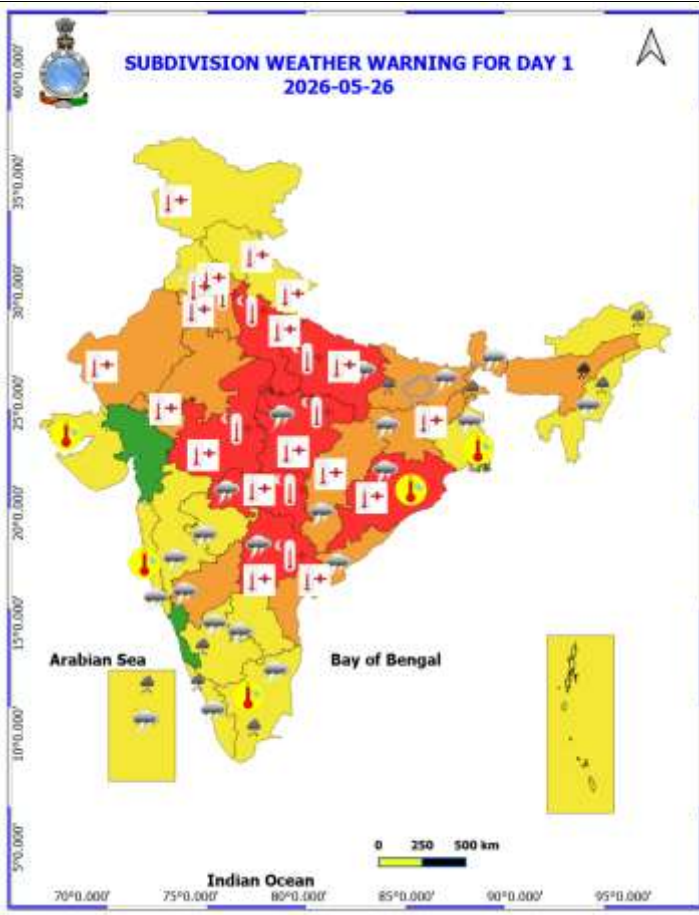
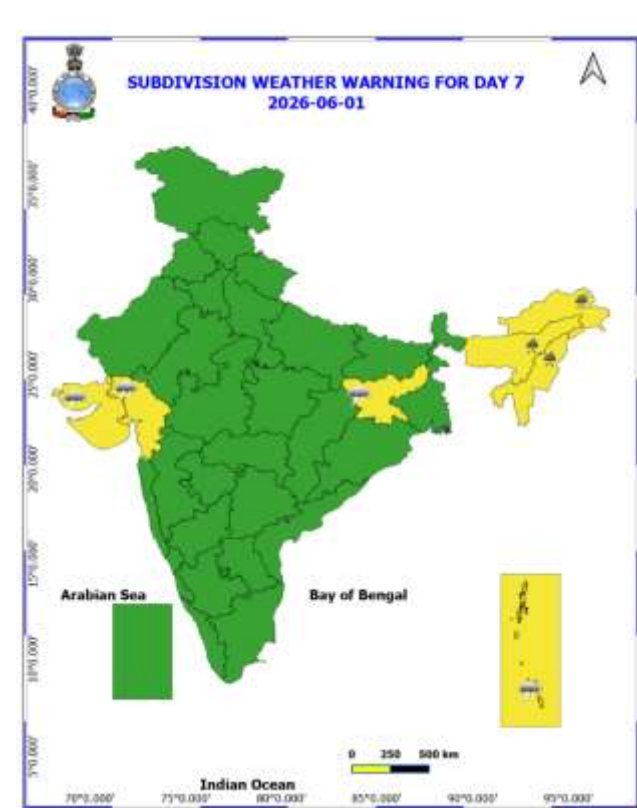
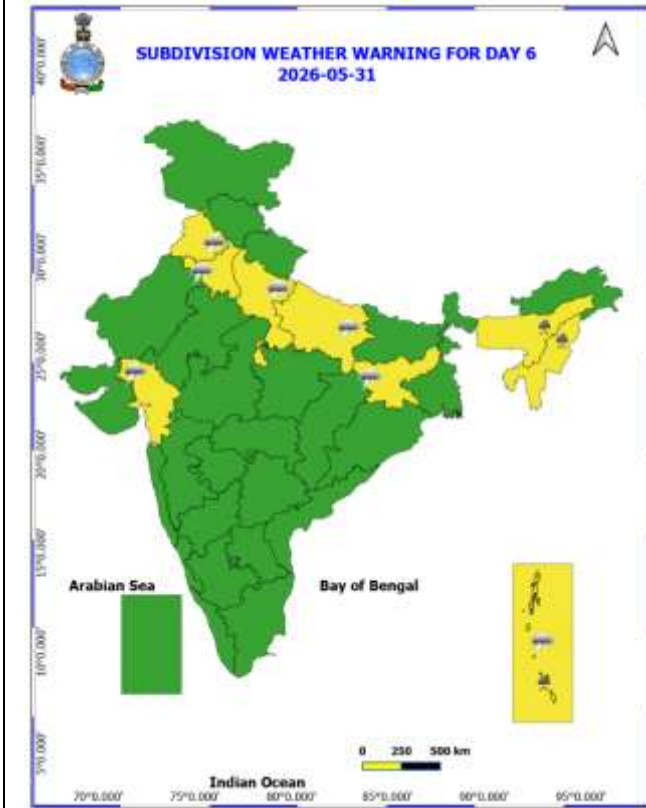
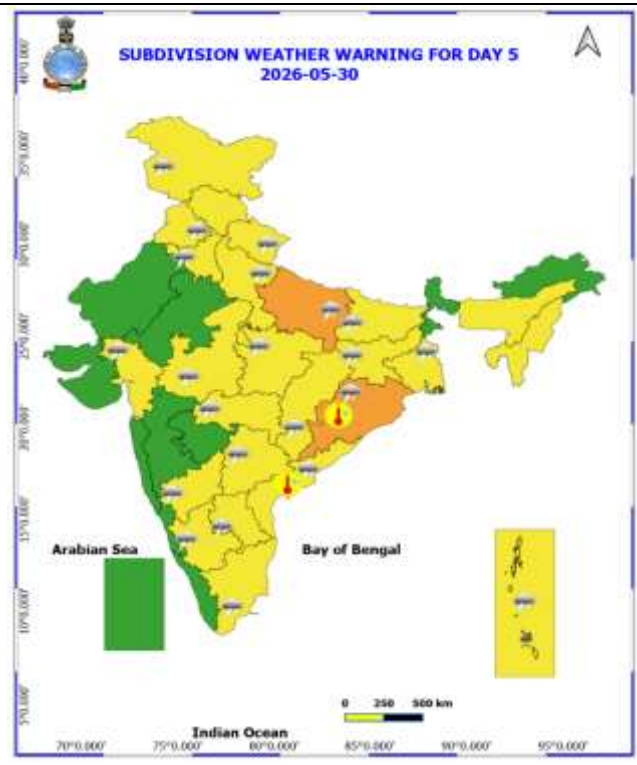
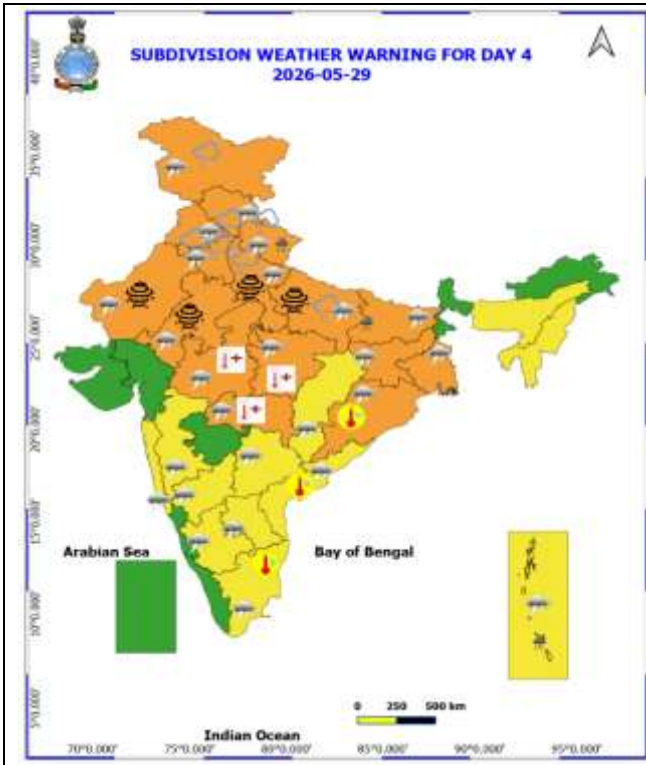


Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	26- May	27- May	28- May	29- May	30- May	31- May	1- Jun
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	W	W	W	W	W	W	W
2	ARUNACHAL PRADESH	W	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	W	W	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
6	GANGETIC WEST BENGAL	SCT	FWS	W	FWS	SCT	ISOL	ISOL
7	ODISHA	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
9	BIHAR	SCT	SCT	ISOL	FWS	ISOL	ISOL	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	ISOL	SCT	SCT	FWS	SCT	ISOL
12	UTTARAKHAND	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT	SCT
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	ISOL	ISOL	FWS	FWS	ISOL	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	ISOL	FWS	FWS	ISOL	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	DRY	DRY	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	DRY	ISOL	SCT	SCT	ISOL	DRY	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
27	CHHATTISGARH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	W	W	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	W	W	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

26 मई से 29 मई 2026 तक दिल्ली/एनसीआर का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जबकि न्यूनतम तापमान में 3-6 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान 43-44 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26-27 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5 डिग्री सेल्सियस से 1.5 डिग्री सेल्सियस) है। कई स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1 डिग्री सेल्सियस से 5.0 डिग्री सेल्सियस) रहा, जबकि शेष स्थानों पर यह सामान्य से अधिक (1.6 डिग्री सेल्सियस से 3.0 डिग्री सेल्सियस) रहा। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में आंशिक रूप से बादल छाए रहे, गरज के साथ हल्की बारिश हुई और पश्चिमी हवाएं 15-20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलीं, जिनकी गति 37 किमी प्रति घंटे तक पहुंच गई। आज सुबह के समय क्षेत्र में आसमान मुख्यतः साफ रहेगा और दक्षिण-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से सतही हवाएं चलने की संभावना है।

मौसम पूर्वानुमान:

26.05.2026: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। कुछ स्थानों पर लू चलने की संभावना है। दिन के दौरान लगातार तेज सतही हवाएं चलेंगी जिनकी रफ्तार 20-30 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है और कभी-कभी 40 किमी प्रति घंटे तक के झोंके भी आ सकते हैं। दिल्ली में अधिकतम तापमान 43°C से 45°C के बीच रहने की संभावना है। दोपहर के समय सतही हवा मुख्यतः उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी और इसकी रफ्तार 25 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। शाम और रात के दौरान हवा की रफ्तार कम होकर उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी।

27.05.2026: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। कुछ स्थानों पर लू चलने की संभावना है। दिन के दौरान लगातार तेज सतही हवाएं चलेंगी जिनकी रफ्तार 20-30 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है और कभी-कभी 40 किमी प्रति घंटे तक के झोंके भी आ सकते हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 44°C से 46°C और 27°C से 29°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (-0.5°C से 3.5°C) रहेगा, और अधिकतम तापमान भी सामान्य से अधिक (2.5°C से 4.5°C) रहेगा। सतही हवा मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से चलेगी और सुबह के समय इसकी गति 15 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़ेगी और पश्चिम दिशा से 25 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति थोड़ी कम होकर पश्चिम दिशा से 20 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

28.05.2026: आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। हल्की बारिश के साथ गरज/बिजली और 40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी, जो शाम/रात के दौरान 60 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 42°C से 44°C और 28°C से 30°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.5°C) रहेगा, और दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। सतही हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी, जिसकी गति सुबह के समय 15 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़ेगी और उत्तर-पूर्व दिशा से चलने पर 25 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने पर हवा की गति 25 किमी प्रति घंटा से कम रहेगी।

29.05.2026: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में सुबह और दोपहर के समय हल्की से लेकर मध्यम बारिश के साथ गरज/बिजली और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है, जो 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं। रात के समय भी हल्की से लेकर मध्यम बारिश के साथ गरज/बिजली और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है, जो 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 35°C से 37°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, जबकि दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी कम (-3.0°C से -5.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली हवा मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह से शाम और रात तक 25 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

- ❖ **छिटपुट गरज के साथ बिजली, तेज हवाओं और ओलावृष्टि की आशंका के चलते संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:**
- ❖ 29 मई को बिहार में, 28 और 29 मई को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में, और 29 मई को पूर्वी उत्तर प्रदेश में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 60-70 किमी प्रति घंटा और 80 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 26 से 28 मई के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में, 26 मई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और तेलंगाना में, 26 और 27 मई को बिहार, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में, 26 से 29 मई के दौरान झारखंड में, 26, 29 और 30 मई को ओडिशा में, और 27 से 29 मई के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है। जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और राजस्थान में 28 और 29 मई को; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 28 और 30 मई को ओलावृष्टि की संभावना है।
- ❖ 26 मई को बिहार में, 27 मई को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में, 28 और 29 मई को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में और 29 मई को पूर्वी उत्तर प्रदेश में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

संभावित प्रभाव:

- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज हवाओं के कारण कमजोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नजर रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

भारी/ बहुत भारी वर्षा के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 26, 27 मई और 1 जून को, असम और मेघालय में 26-28 मई और 31 मई, 1 जून को, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 26, 27, 31 मई और 1 जून को, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, केरल और माहे, लक्षद्वीप में 26 मई को, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 26-31 मई के दौरान, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 26 और 27 मई को, बिहार में 26, 27 और 29 मई को, और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 27 मई को भारी वर्षा की संभावना है। साथ ही, असम और मेघालय में भी 26 मई को अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है।

संभावित असर

- ❖ सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़ आना, निचले इलाकों में जलभराव होना और मुख्य रूप से शहरी इलाकों में अंडरपास का बंद होना।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी विजिबिलिटी (दृश्यता) में कमी आना।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में ट्रैफिक में रुकावट आना, जिससे यात्रा का समय बढ़ सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा-बहुत नुकसान पहुंचना।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) को नुकसान पहुंचने की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ खिसकने/जमीन धंसने की घटनाएं।
- ❖ कुछ इलाकों में जलभराव के कारण बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचना।
- ❖ इसके कारण कुछ नदी-घाटियों में नदियों में बाढ़ आ सकती है (नदियों में बाढ़ की जानकारी के लिए कृपया CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए कदम

- ❖ अपनी मंजिल के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम की स्थिति की जांच कर लें।
- ❖ इस संबंध में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइजरी (सलाह) का पालन करें।
- ❖ उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) में रहने से बचें।

ऊष्ण लहर/ भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ मध्य और उत्तर-पश्चिम भारत में अगले 3-4 दिनों तक और पूर्वी और उससे सटे प्रायद्वीपीय भारत में अगले 2-3 दिनों तक लू से भीषण लू की स्थिति बने रहने की संभावना है।

चेतावनी वाले क्षेत्र

- ❖ तापमान अधिक रहने और लू से जुड़ी बीमारियों के लक्षणों की संभावना उन लोगों में ज्यादा है, जो लंबे समय तक धूप में रहते हैं या भारी शारीरिक काम करते हैं।
- ❖ कमजोर लोगों (जैसे: शिशु, बुजुर्ग और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोग) के लिए स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चिंताएँ हो सकती हैं।
- ❖ धूप में निकलने से बचें - शरीर को ठंडा रखें। शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) न होने दें।
- ❖ पर्याप्त मात्रा में पानी पिएँ - भले ही आपको प्यास न लगी हो।
- ❖ शरीर में पानी की कमी पूरी करने (हाइड्रेटेड रहने) के लिए ORS, या घर पर बने पेय पदार्थ जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें।

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और बिहार में फलों के बागानों और सब्जी वर्गीय फसलों को क्षति से बचाने के लिए हेलनेट या हेलकैप का उपयोग करें।

- जलभराव से बचने के लिए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। परिपक्व फलों की जल्द से जल्द तुड़ाई करें और कटाई के बाद उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **अरुणाचल प्रदेश** में, सब्जी, मक्का और नर्सरी के खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। डब्ल्यूआरसी धान नर्सरी बेड से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु जल निकासी चैनल खुले रखें। धान नर्सरी बेड को पॉलिथीन शीट या पुआल से ढक दें।
- **असम** में, वर्तमान भारी वर्षा दौर के बाद बोरो धान की कटाई करें और पहले से काटी गई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। धान की नर्सरी क्यारियों को पतली पॉलिथीन शीट से ढक दें। धान की नर्सरी, सब्जियों, केले, संतरे और पपीते के खेतों से अतिरिक्त पानी को शीघ्र निकालने हेतु जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- **मेघालय** में, साफ मौसम में केले के परिपक्व फलों की तुरंत तुड़ाई करें। मक्का, अदरक, सब्जी, केला और बागानों से अतिरिक्त वर्षा जल को निकालने हेतु आवश्यक व्यवस्था करें।
- **नागालैंड** में, बैंगन की रोपाई देरी से करें। पहले से ही रोपे गए पौधों, मक्का, सब्जियों और बागानों में और उसके आसपास उचित जल निकासी बनाए रखें।
- **मणिपुर** में, आवश्यक जल स्तर बनाए रखने हेतु धान के खेतों के चारों ओर मेड़ और बांध अच्छी तरह से बनाए। मिर्च, अदरक, हल्दी, केला और अन्य फसलों से अतिरिक्त वर्षा जल को निकालने हेतु पर्याप्त जल निकासी व्यवस्था बनाए रखें।
- **मिजोरम** में, धान के खेतों के चारों ओर जल निकासी के लिए नालियाँ बनाएँ और बीजों को ढकने के लिए घास के मलच का उपयोग करें। फल देने वाले या आंशिक रूप से झुके हुए पौधों/पेड़ों को सहारा दें। मक्के के पौधों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें भी सहारा (Propping) प्रदान करें।
- **त्रिपुरा**, परिपक्व बोरो धान की तुरंत कटाई करें और काटी गई उपज को सुरक्षित और सूखे स्थान पर स्थानांतरित करें।
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम** में, वर्तमान भारी वर्षा दौर के बाद परिपक्व धान और मक्के की कटाई करें और पहले से ही काटी गई उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। धान, मक्का, जूट और सब्जियों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। भिंडी की बुआई स्थगित करें।
- **बिहार** में, खड़ी फसलों में सिंचाई स्थगित करें। उचित जल निकास व्यवस्था के साथ धान की बुवाई के लिए नर्सरी तैयार करें।
- **तमिलनाडु** में, धान की नर्सरी, कपास, ज्वार और सब्जियों में पानी के जमाव को रोकने हेतु उचित जल निकासी बनाए रखें।
- **केरल** में केले, नारियल और अन्य सब्जियों के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। केले के पौधों को सहारा प्रदान करें।
- **लक्षद्वीप**, खड़ी फसलों में जलभराव को रोकने हेतु, जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- **आंतरिक कर्नाटक** में, वर्तमान भारी वर्षा दौर के बाद परिपक्व धान की कटाई करें। धान के खेतों, सुपारी और आम के बगीचों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। टमाटर के पौधों को स्टेकिंग प्रदान करें।

उच्च तापमान/ऊष्ण लहर के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **जम्मू और कश्मीर** में - खड़ी फसलों को हल्की और बार-बार सिंचाई दें, तथा फलों के पौधों को अधिक तापमान से बचाने के लिए अस्थायी शेड नेट का उपयोग करें।
- **हिमाचल प्रदेश** में, टमाटर और खीरे की नर्सरी में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। नमी बनाए रखने हेतु नर्सरी में सब्जियों के पौधों को घास से ढकें।
- **उत्तराखंड** में, गन्ने में निराई-गुड़ाई करें; गन्ने के सूखे पत्तों से मल्लिचिंग करें। मक्का, टमाटर और बैंगन में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें तथा मल्लिचिंग करें।
- **पंजाब** में कपास, सब्जियों और बागानों में हल्की और बार-बार सिंचाई करें।
- **हरियाणा** में, गन्ने, कपास और ग्रीष्मकालीन चारा फसलों में पर्याप्त सिंचाई बनाए रखें। धान की नर्सरी की तैयारी पूरी करें और सुनिश्चित सिंचाई सुविधाओं का प्रबंध करें तथा नई बोई गई फसलों में जल संकट को कम करने के लिए मल्लिचिंग/नमी संरक्षण पद्धतियों को अपनाएं।

- **उत्तर प्रदेश** में, मक्का, मूंग, काली मूंग, गन्ना, सूरजमुखी, सब्जियां और आम, केला और पपीता जैसे फलों की खड़ी फसलों के लिए नियमित सिंचाई और मल्लिचंग करें।
- **राजस्थान** में, मूंग, लौकी, कद्दू, तोरी, खीरा, करेला, भिंडी, पालक और आम, आंवला, अनार, बेल और बेर जैसे युवा फलदार पौधों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। वाष्पीकरण से जल हानि को कम करने के लिए मिट्टी की मल्लिचंग/पुआल/पॉलीथिन से मल्लिचंग करें।
- **झारखंड** में, दालों और सब्जियों में नियमित अंतराल पर हल्की सिंचाई करें।
- **ओडिशा** में - बोरो धान, ग्रीष्मकालीन मक्का, हरा चना, काला चना, मूंगफली और सब्जी के खेतों में हल्की सिंचाई प्रदान करें। सुनिश्चित करें कि आम और काजू की फसलों में मिट्टी में पर्याप्त नमी बनी रहे।
- **मध्य प्रदेश** में, मक्का, मूंग, उड़द, मूंगफली और सब्जियों की फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें।
- **छत्तीसगढ़** में, रबी मक्का, केला और पपीते के बागानों में खरपतवार निकालने और गुड़ाई करने के बाद हल्की सिंचाई करें। गेहूं और चने की कटाई पूरी करें, और उनके सुरक्षित भंडारण को सुनिश्चित करें।
- **महाराष्ट्र - विदर्भ** में, गन्ने, सब्जियों और फलों के बागों को सुबह या शाम के समय हल्की और बार-बार सिंचाई दें; पौधों के विकास के महत्वपूर्ण चरणों के दौरान सिंचाई की आवृत्ति बढ़ा दें। सब्जियों और फलों के बागों में जैविक या पुआल की मल्लिचंग का उपयोग करें; केले के गुच्छों को पत्तों से ढकें; और नए लगाए गए केले के बागों में शेड नेट का उपयोग करें।
- **तटीय आंध्र प्रदेश** में, ग्रीष्मकालीन फसलों और सब्जियों में हल्की सिंचाई करें। खड़ी फसलों में मिट्टी की नमी बनाए रखने के लिए मल्लिचंग करें।
- **तेलंगाना** में, आवश्यकतानुसार आम के बागानों और सब्जियों की फसलों को सिंचाई प्रदान करें।

तूफान / तेज हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या खेतों में उपज को तिरपाल की चादर से ढक दें। तेज सतही हवाओं से विस्थापन के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसलों को सुरक्षित रूप से बांधें और ढक दें।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- ओलावृष्टि/ भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को स्वच्छ, साफ और पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला; NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

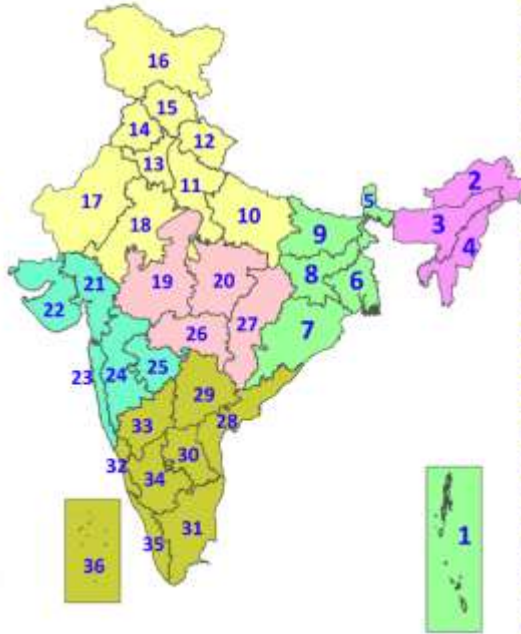
मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।

- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यन्नम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- | | | |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog | Heavy Snow | Cold Wave |
| Heavy Rain | Dust Storm | Cold Day |
| Very Heavy Rain | Heat Wave | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night | |
| Thunder & Lightning | Hot Day | |
| Hailstorm | Hot & Humid | |
| Dust Raising Winds | Strong Surface Winds | |

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal
Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .
Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$
(b). Based on Actual maximum temperature
Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.
Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$
(c). Criteria for heat wave for coastal stations
When maximum temperature departure is $>4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C
Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .
Severe Warm Night: When minimum temperature departure $>6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.
(a). Based on departure
Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$
(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)
Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$
Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$
(c) For Coastal Stations
When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
Based on departure
Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$
Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres
Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres
Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground
Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.
Moderate: Wind speed 52-61 kmph
Severe: Wind speed 62-87 kmph
Very Severe: Wind speed >87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area
Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre
High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre
Phenomenal: Wind speed >117 kmph (>63 knots) & Wave height >14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)
Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)
Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-185 kmph (64 - 89 knots)
Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)
Super Cyclone Storm: Wind speed >220 kmph (>119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)